

राज्यमंत्रियों पर सवाल की बौछार; पूछा- विकसित भारत के लिए खुद क्या किया?



नई दिल्ली, एजेंसी सोमवार को अपने 12 साल के कार्यकाल में दूसरी बार राज्य मंत्रियों से रूबरू हुए प्रधानमंत्री बेहद सख्त शिक्षक के रूप में नजर आए। तीन घंटे की समीक्षा बैठक में मौजूद 20 राज्य मंत्रियों (3 स्वतंत्र प्रभार समेत) पर अलग-अलग सवालों की बौछार की।

राज्य मंत्रियों को आंकड़े रटने की आदत से बाज आने की नसीहत दी और एक-एक कर सभी मंत्रियों से विकसित भारत के संबंध में अपने-अपने एजेंडे को सामने रखने के लिए कहा। बैठक में ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और गरीब कल्याण योजनाओं पर प्रजेंटेशन के बाद प्रधानमंत्री ने एक-एक मंत्री को जानकारी देने के लिए कहा। इस दौरान जब मंत्रियों ने अपने मंत्रालय से जुड़े आंकड़े गिनाने शुरू किए तो पीएम ने बीच में ही उन्हें रोक दिया। उन्होंने कहा कि सचिवों द्वारा बताए आंकड़े रटने की आदत छोड़ें। मंत्री के रूप में मिले बड़े अवसर के बाद आपने विकसित भारत बनाने, देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने और राज को लाभ दिलाने के लिए क्या किया है?

**कितने आंगनवाड़ी केंद्र में गई,
कितने खिलौने बांटे**

बैठक में पीएम ने हर मंत्री को टोका। एक मंत्री की मंत्रालय की उपलब्धियां गिनाने से रोकते हुए पीएम ने पूछा- इसको छोड़िए, मंत्री बनने के बाद आप कितने आंगनवाड़ी केंद्र में गई हैं, कितने खिलौने बांटे हैं? एक अन्य मंत्री से पूछा कि उन्होंने रेहड़ी-पटरी वालों की उध्यान से जुड़ी पीएम स्वनिधि योजना के कितने लाभार्थियों से बात की है? व्यक्तिगत रूप से कितनों को इसका लाभ दिलाया है? इसी प्रकार पीएम ने बैठक में मौजूद सभी राज्य मंत्रियों से उनके व्यक्तिगत प्रयासों की जानकारी ली।

सोशल मीडिया पर सवाल

इस दौरान पीएम ने एक-एक मंत्रियों से उनकी सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपस्थिति, यहां उनकी ओर से उठाए गए मुद्दे, योजनाओं की जानकारी देने संबंधी सवाल दंगे। पीएम ने खासतौर पर गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और सरकार के बेहतर प्रयासों को सकारात्मक रूप से व्यक्तिगत स्तर और विभिन्न माध्यमों से समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए जीतोड़ प्रयास करने की नसीहत दी।

विस्तार से पहले की कवायद

पीएम जल्द ही राज्य मंत्रियों के दूसरे समूह से इसी प्रकार की समीक्षा बैठक करेंगे। इन बैठकों को जल्द संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से पहले की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इन बैठकों के जरिए पीएम मंत्रियों के प्रदर्शन का आकलन कर रहे हैं। पीएम इससे पूर्व सचिवों के साथ बैठक कर केंद्रीय मंत्रियों के प्रदर्शन की भी समीक्षा कर चुके हैं।

**अमेरिका ने ईरान के
पांच तेल टैंकर उड़ाए:
जवाब में तेहरान
ने जॉर्डन पर दागीं
मिसाइलें; क्या फिर
बड़ेगा तनाव?**

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट



सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 48

इंदौर, बुधवार 09 सितंबर, 2026

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

दुबई में एमपी को 53 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

सीएम बोले- वेलकम टू मध्यप्रदेश

© डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुबई दौरे के तीसरे दिन मंगलवार को निवेश, औद्योगिक साझेदारी, शहरी विकास, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और तकनीक से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। दिनभर उन्होंने अलग-अलग उद्योग समूहों और निवेशकों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में बड़े निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि मध्यप्रदेश में सभी का स्वागत है।

**राणा होल्डिंग्स का 35,200
करोड़ का प्रस्ताव**

मुख्यमंत्री की राणा होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. दर्शन सिंह राणा के साथ बैठक में ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, डेटा सेंटर, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, ई-मोबिलिटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर चर्चा हुई। कंपनी ने मध्यप्रदेश में करीब 35,200 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं बताईं। कंपनी 2,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा पोर्टफोलियो, 200 मेगावॉट ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट, 50 मेगावॉट एआई एवं कंप्यूट डेटा सेंटर, 30,000 एमटीपीए क्षमता के क्रिटिकल मिनरल्स रिक्वैरी एवं रीसाइक्लिंग कॉम्प्लेक्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब में रुचि दिखा रही है।

**एआई फैक्ट्री में 18 हजार करोड़ के
निवेश की संभावना**

एनआईडीआई सर्विसेज डीएमसीसी-एससीएनईएलएससी के निवेशकों के साथ औद्योगिक स्तर के एआई कंप्यूट कैपस और सर्विसेज एआई फैक्ट्री परियोजना पर भी चर्चा हुई। कंपनी ने 50 मेगावॉट क्षमता वाली एआई फैक्ट्री परियोजना में करीब 1.5 से 2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 18 हजार करोड़ रुपये के निवेश का कॉन्सेप्ट प्रस्तुत किया। इसे भविष्य में 100 मेगावॉट से अधिक क्षमता तक बढ़ाया जा सकता है। जेम्स एजुकेशन के चेयरमैन सनी वर्की के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के के-12 स्कूल, शिक्षक प्रशिक्षण, एडटेक और आधुनिक शिक्षा परिसरों की स्थापना पर भी चर्चा हुई।

**स्वास्थ्य से लेकर लॉजिस्टिक्स
तक निवेश पर चर्चा**

मुख्यमंत्री ने प्योर हेल्थ के प्रतिनिधियों से मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल, डिजिटल हेल्थ, टेलीमैडिसिन और मेडिकल-नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में निवेश पर चर्चा की। शराफ ग्रुप के साथ मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी पर बात हुई। डीपी वर्ल्ड के सीईओ रिजवान सूमार के साथ पवारखेड़ा लॉजिस्टिक्स कॉम्पोजिट हब, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स और निर्यात को बढ़ावा देने पर चर्चा



**एमएर समूह को भी मध्यप्रदेश
में निवेश का न्योता**

हुई। वहीं केजीके ग्रुप के साथ डायमंड प्रोसेसिंग, जेम्स एंड ज्वेलरी और निर्यात आधारित इकाइयों की संभावनाएं तलाशीं गईं। विस्टास मीडिया कैपिटल के साथ फिल्म, एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट हब पर चर्चा हुई। वीएफएक्स ग्लोबल के साथ भोपाल और इंदौर में बीजा सेवा विस्तार तथा पर्यटन-हॉस्पिटैलिटी कौशल विकास पर बातचीत हुई।

शारजाह चैंबर से भी निवेश पर संवाद

मुख्यमंत्री ने शारजाह चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन अब्दुल्ला सुल्तान अल अवैस से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, तकनीक, एसएमई, लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने शारजाह के निवेशकों को जीआईएस-2027 में शामिल होने का न्योता दिया।

**एमपीआईडीसी को मिला
'विनर एशिया' सम्मान**

एआईएम कांग्रेस-2026 में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) को एआईएम इन्वेस्टमेंट अवॉर्ड्स-2026 में 'विनर एशिया' सम्मान दिया गया। यह पुरस्कार निवेश बढ़ाने, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने, रोजगार, नवाचार और सतत विकास में बेहतर प्रदर्शन के लिए दिया गया। यह सम्मान यूएई के विदेश व्यापार मंत्री और एआईएम कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयौदी ने प्रदान किया।

**34 लाख करोड़ से ज्यादा
के प्रस्ताव मिले**

दुबई में मीडिया संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में मध्यप्रदेश को 34 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 30 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 11 प्रतिशत से अधिक आर्थिक विकास दर, पर्याप्त लैंड बैंक, सड़क-रेल नेटवर्क, आठ सक्रिय हवाई अड्डे, निवेश अनुकूल नीतियां और सिंगल विंडो व्यवस्था निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, ऑटोमोबाइल, हरित ऊर्जा, आईटी, एआई, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यटन क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं बताईं। उन्होंने निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में शामिल होने का निमंत्रण दिया और कहा कि "मध्यप्रदेश भारत का हृदय है और निवेशकों का स्वागत हृदय से करेंगे।"

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

मौके पर ही किया गया समस्याओं का निराकरण

④ डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन की पहल के तहत जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सहज, सरल एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया।

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों का निराकरण मौके पर संभव नहीं है, उनका प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में प्लॉट एवं संपत्ति संबंधी मामले, पारिवारिक



विवाद, चिकित्सा सहायता, रोजगार सहित विभिन्न विषयों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने आवेदकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों



को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर नवजीवन

विजय पवार, रिकेश वैश्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई की।

‘बेटी हुई है’... परिवार ने अनोखे तरीके से मनाया जश्र, शहर में निकला लगजरी कारों का काफिला



④ डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। शहर में एक परिवार ने घर में बेटी के जन्म का ऐसा जश्र मनाया की पूरे शहर में चर्चा होने लगी। बेटी के जन्म की खुशी में परिवार ने अलग अंदाज में जश्र मनाया। लैटन चौराहा स्थित निजी अस्पताल से जब परिवार नवजात बच्ची को लेकर घर के लिए निकला तो उनके साथ दर्जनों कारों का काफिला था। खास बात यह थी कि काफिले में चल रही गाड़ियों के पीछे बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था बेटी हुई है।

सड़क से गुजरते लोगों ने जब एक के बाद एक इतनी गाड़ियों को देखा और सभी के पीछे बेटी के जन्म का संदेश लिखा नजर आया तो उनकी नजरों में भी काफिले पर टिक गई। कुछ लोग यह देखने के लिए रुक गए कि आखिर मामला क्या है। आमतौर पर बेटे के जन्म पर घरों में बड़े स्तर पर जश्र मनाते हुए देखा जाता है, लेकिन बेटी के जन्म पर इस तरह पूरा काफिला निकालना लोगों के लिए भी कुछ अलग था। यह जश्र नृणा राठौर के परिवार में बेटी के जन्म पर मनाया गया। नृणा ने बताया कि परिवार में बेटी के जन्म को लेकर काफी समय से इंतजार था। उन्होंने बेटी के लिए सांवरिया सेट से मन्नत भी मांगी थी। शुक्रवार को लैटन चौराहा स्थित निजी अस्पताल में बच्ची का जन्म हुआ। बेटी के जन्म

की खबर मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल हो गया। इसके बाद रिवार को अस्पताल से डिस्चार्ज मिलने पर परिवार बच्ची को घर लेकर निकला। इस दौरान पहले से इसकी तैयारी की गई थी। रिश्तेदार और परिचित अपनी-अपनी गाड़ियां लेकर अस्पताल पहुंचे और फिर सभी गाड़ियां एक साथ घर के लिए रवाना हुईं।

काफिले में शामिल गाड़ियों के पीछे ‘बेटी हुई है’ लिखा हुआ था। काफिले में सिर्फ सामान्य कारें ही नहीं, बल्कि कई लगजरी गाड़ियां भी शामिल थीं। इनमें फॉर्च्यूनर, इनोवा, XUV और ब्रेजा जैसी गाड़ियां थीं। सभी गाड़ियों पर बेटी के जन्म से जुड़ा संदेश लगाया गया था। अस्पताल से घर तक जब यह काफिला सड़कों से गुजरा तो लोगों के बीच भी इसकी चर्चा होने लगी। नृणा राठौर ने कहा कि उनके लिए बेटी का जन्म बहुत बड़ी खुशी है।

उनका कहना है कि बेटी को घर की खुशी और लक्ष्मी का रूप माना जाता है। इसी खुशी को परिवार ने इस बार कुछ अलग तरीके से मनाया है। अक्सर बेटे के जन्म से कहना कि अक्सर बेटे के जन्म पर लोग मिठाई बांटते हैं, ढोल-नगाड़े बजाते हैं और जश्र मनाते हैं। बेटी के जन्म पर भी परिवार को खुलकर खुशी मानी चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने बच्ची के अस्पताल से घर आने के मौके को यादगार बनाने का फैसला किया।

आपदा मित्रों को मिली विशेष आपदा किट संकट में अब मिनटों में पहुंचेंगे मदद के लिए



④ डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। आपदा की स्थिति में आमजन तक राहत एवं बचाव कार्य तेजी से पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित आपदा मित्र योजना के द्वितीय प्रशिक्षण सत्र का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण में 150 आपदा मित्रों को आपदा प्रबंधन एवं विभिन्न प्रकार के रेस्क्यू ऑपरेशन का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड श्रीमती डॉ. मधुराजेश तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एस.डी.ई.आर.

एफ. सुमत जैन, कंपनी कमांडर अविनाश दिनकर, कंपनी कमांडर अश्विन चौधरी एवं मास्टर ट्रेनर रंगपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान आपदा मित्रों को खोज एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, वाटर रेस्क्यू, बिल्डिंग कोलेप्स रेस्क्यू, रोप रेस्क्यू सहित आपदा की विभिन्न परिस्थितियों में सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से कार्य करने का प्रशिक्षण दिया गया।

हर आपदा मित्र के पास रहेगी अपनी रेस्क्यू किट- प्रशिक्षण की खास उपलब्धि

यह रही कि सभी 150 प्रशिक्षित आपदा मित्रों को विशेष आपदा किट प्रदान की गई। इस किट में फर्स्ट एड बॉक्स, सेफ्टी जैकेट, लाइफ जैकेट, टी-शर्ट, रोप, टॉर्च, सेफ्टी शूज, सेफ्टी ग्लव्स, हेलमेट, आई प्रोटेक्टर ग्लास, नाइफ, मच्छरदानी सहित विभिन्न आपदा एवं बचाव कार्यों में उपयोग आने वाली आवश्यक सामग्री उपलब्ध है।

यह किट विशेष रूप से इस उद्देश्य से तैयार की गई है कि आपदा मित्रों को घटनास्थल पर पहुंचने के बाद आवश्यक उपकरणों के लिए अलग से इंतजार न करना पड़े। आपदा की सूचना मिलते ही वे अपनी किट के

साथ तत्काल रवाना होकर न्यूनतम रिस्पोन्स टाइम में घटनास्थल पर पहुंच सकेंगे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर सकेंगे।

वाटर रेस्क्यू में लाइफ जैकेट एवं रोप, बिल्डिंग कोलेप्स जैसी घटनाओं में हेलमेट, सेफ्टी शूज, ग्लव्स एवं आई प्रोटेक्टर तथा अन्य परिस्थितियों में फर्स्ट एड बॉक्स, टॉर्च सहित उपलब्ध सामग्री आपदा मित्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। किट में मच्छरदानी जैसी आवश्यक सामग्री भी शामिल की गई है, ताकि लंबे समय तक चलने वाले राहत एवं बचाव अभियानों के दौरान भी आपदा मित्रों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध रहे।

शौक पूरा करने के लिए करते थे चोरियां

④ डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। लसूडिया पुलिस ने अंजली पटवारी निवासी महालक्ष्मी नगर के यहां 12 अगस्त को हुई चोरी के मामले में दो चोर अनुराग उर्फ भय्यू पुत्र अवधेश दुबे पुष्प रतन कॉलोनी ओर साहिल बिष्ट को पकड़ा है। आरोपी अपना शौक पूरा करने के लिए चोरी करते थे। आरोपियों ने साक्षी तोमर निवासी महालक्ष्मी नगर ने घर भी 20 अगस्त को चोरी की थी। आरोपियों से करीब 5 लाख रुपए का सोने-चांदी के आभूषण जब्त किए गए हैं।

लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 10 सितम्बर को

④ डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग)

इंदौर। राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 10 सितम्बर को प्रातः 9 बजे से शासकीय लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय इंदौर के तत्वाधान में प्रीतमलाल दुआ सभागृह में आयोजित

की जाएगी।

अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के अंतर्गत युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है। यह प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क होगी, जो दो आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी। इसमें जूनियर 8 से 15 वर्ष एवं सीनियर 16 से 25 वर्ष के दो

आयु वर्ग हैं। आयु निर्धारण की तिथि 01 जनवरी 2026 होगी। संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग के लिए पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 10 हजार रुपये, 5 हजार रुपये एवं 3 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी।

ट्रेफिक को लेकर हाईकोर्ट ने कहा-

कोर्ट के सामने ही तोड़े जाते हैं नियम

660 कैमरे-जवान तैनात, फिर भी गाड़ियां बिना नंबर प्लेट दौड़ रहीं

② डिटिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग्न)

इंदौर। इंदौर में ट्रैफिक को लेकर स्थिति अफसरों से संभल नहीं पा रही है। रोज शाम को कई मार्गों पर ट्रैफिक जाम होता है। कोर्ट ने भी ट्रैफिक को लेकर कहा कि कोर्ट के सामने की सड़क पर ही रोज ट्रैफिक के नियम तोड़े जाते हैं। ट्रैफिक जवानों के सामने हट्टर लगी और बिना नंबर प्लेट की गाड़ियां निकलती रहती हैं।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने इंदौर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था पर सुनवाई की। कोर्ट ने प्रशासन की कार्रवाई पर नाराजगी जताई। कहा- ट्रैफिक व्यवस्था में कोई खास सुधार नजर नहीं आ रहा है। हाईकोर्ट के सामने भी लोग ट्रैफिक रूल्स तोड़ रहे।



कोर्ट ने कहा- गलत नंबर प्लेट, बिना नंबर प्लेट और हट्टर-सायरन लगी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ रही हैं। लगातार चालान के बावजूद ट्रैफिक जाम और नियमों का उल्लंघन जारी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संदीप भट्ट और न्यायमूर्ति गजेन्द्र सिंह की खंडपीठ ने की। अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। याचिकाकर्ता महेश गर्ग की ओर से अधिवक्ता मनीष यादव और अधिवक्ता अनस मकरानी ने पिछली सुनवाई के आदेश का हवाला दिया। उन्होंने

बताया कि प्रशासन से शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों और चौराहों पर तैनात ट्रैफिक जवानों की जानकारी शपथपत्र के माध्यम से मांगी गई थी। इस दौरान सरकार ने कोर्ट को बताया- शहर के चौराहों पर 660 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही सभी प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक जवानों की तैनाती होने का दावा किया गया। प्रशासन के दावे पर याचिकाकर्ताओं ने आपत्ति जताई। याचिकाकर्ताओं ने कहा- जमीनी स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। शहर के कई हिस्सों में

आज भी ट्रैफिक व्यवस्था खराब है। सिर्फ ड्रिंक एंड ड्राइव के चालान बनाने में व्यस्त दिखाई देती है, जबकि शहर की समग्र ट्रैफिक व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ट्रैफिक व्यवस्था पर नाराजगी जताई। कहा कि उसे स्वयं मैदानी स्तर पर कोई सुधार नजर नहीं आ रहा है। गलत और बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों के सड़कों पर चलने पर भी सवाल उठाए। हट्टर और सायरन लगी गाड़ियों के इस्तेमाल पर भी सवाल किया गया। कोर्ट ने कहा कि लगातार चालान के बाद भी ट्रैफिक जाम और नियमों का उल्लंघन जारी है तो केवल चालानी कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

कोर्ट में कहासुनी के बाद महिला की मौत

② डिटिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग्न)

इंदौर। इंदौर के चोरल में पारिवारिक विवाद के बाद 45 वर्षीय महिला ने सोमवार शाम जहरीली दवा पीकर जान दे दी। महिला के बेटे की चाचा की मौत के मामले में कोर्ट में पेशी थी। कोर्ट में कहासुनी के बाद विवाद घर तक पहुंचा था।

सिमरौल पुलिस के अनुसार, चोरल निवासी अमरलता (45) पति रतन कौशल ने सोमवार देर शाम घर पर जहरीली दवा पी ली थी। परिजन उन्हें रात करीब 9 बजे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, अमरलता के परिवार का रिश्तेदारों से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। करीब चार महीने पहले खेत पर हुए विवाद में अमरलता

के बेटे अभिषेक ने अपने चाचा को धक्का दे दिया था। चाचा पहले से बीमार थे। अस्पताल में पांच दिन इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। इस मामले में अभिषेक पर आरोप लगे थे और वह जेल गया था। वह करीब दो महीने पहले जेल से छूटा था। सोमवार को इसी मामले में अभिषेक की कोर्ट में पेशी थी। यहां चाचा के परिवार के लोगों से उसकी कहासुनी हुई। इसके बाद शाम को अभिषेक के घर पहुंचते हुए रिश्तेदारों ने पेशी नहीं होने पर चर्चा का बेटा सचिन, पत्नी सुशीला और ललिता भी वहां पहुंचे और विवाद हुआ। परिजनों का आरोप है कि धमकी और लगातार हो रहे विवाद से परेशान होकर अमरलता ने जहरीली दवा पी ली। अमरलता के तीन बेटे हैं और सभी खेती-किसानी से जुड़े हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रिटायर्ड RBA अफसर से ठगी

50 के पुराने नोट के बदले 9 लाख देने का झांसा देकर 59 हजार अकाउंट में डलवाए

② डिटिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग्न)

इंदौर। जूनी इंदौर इलाके में रिटायर्ड RBA बैंक अफसर से ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। फेसबुक पर पुराने करेंसी नोट बदलने का ऑफर देखकर संपर्क करना उन्हें महंगा पड़ गया।

उगों ने 50 रुपए के पुराने नोट के बदले 9 लाख रुपए मिलने का झांसा दिया और अलग-अलग चार्ज के नाम पर उनसे 16 बार में 59 हजार रुपए से ज्यादा जमा करा लिए। रकम देने के बाद भी न तो उन्हें रुपए मिले और न ही पुरानी करेंसी ली गई। ऑनलाइन शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जसबीर सिंह ने शिकायत में बताया कि वे आरबीआई से रिटायर्ड हैं। 24 अगस्त की दोपहर वे घर पर फेसबुक चला रहे थे। इसी दौरान पुराने करेंसी नोट बदलने का ऑफर दिखाई दिया। उसमें दिए नंबर पर संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि 50 रुपए का सबसे पुराना नोट होने पर उसके बदले 9 लाख रुपए तक मिल सकते हैं। इसके बाद ऑफर के वेरिफिकेशन और अन्य खर्च के नाम पर करीब 1,750 रुपए जमा करने को कहा गया। रकम जमा करने

के बाद ठग ने बताया कि उनके अकाउंट में करीब 4 लाख रुपए जमा कर दिए गए हैं। जसबीर सिंह ने बैंक से जानकारी ली तो खाते में कोई रकम नहीं आई थी। इसके बाद उगों ने उनसे 5,100 रुपए और जमा करने को कहा। इसके बाद भी खाते में रकम नहीं आई। जसबीर ने पुराने नंबर पर दोबारा संपर्क कर करेंसी बदलने की बात की। इस बार उन्हें करीब 86 हजार रुपए देने का भरोसा दिया गया और इसके लिए 12,500 रुपए और मांगे गए। इसके अलावा 1,100 रुपए अकाउंट वेरिफिकेशन के नाम पर जमा कराने को कहा गया। इसके बाद उगों ने नया बहाना बनाया। उन्होंने कहा कि उनके लिए रुपए लेकर आ रही टीम को इनकम टैक्स विभाग ने रोक लिया है। टीम को छुड़ाने के लिए 25 हजार रुपए GST चार्ज देना होगा। उगों ने अलग-अलग बहानों से जसबीर सिंह को QR कोड भेजे। उन्होंने इन पर रकम ट्रांसफर की। इस तरह करीब 16 ट्रांजेक्शन में 59 हजार रुपए से ज्यादा उगों के खातों में चले गए। इसके बावजूद न तो ऑफर के मुताबिक रकम मिली और न ही पुरानी करेंसी लेने कोई पहुंचा। उगों का अहसास होने के बाद जसबीर सिंह ने ऑनलाइन शिकायत की।

सीलिंग जमीन के आधार पर विकास मंजूरी रोकी थी, हाईकोर्ट ने कार्रवाई को बताया मनमाना

② डिटिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग्न)

इंदौर। सीलिंग जमीन को लेकर चल रहे विवाद में इंदौर जिला प्रशासन को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हातोद तहसील के सोनगीर क्षेत्र की कुछ जमीनों को सरकारी सीलिंग जमीन बताकर कॉलोनियों की विकास मंजूरी रोकने के प्रशासनिक फैसले को हाई कोर्ट ने गलत और मनमाना माना है। मामला करीब 1500 करोड़ रुपए की प्रस्तावित कॉलोनियों से जुड़ा बताया जा रहा है।

विवाद के चलते भाजपा नेता नीलेश चौधरी और उनके परिवार की स्वास्तिक ग्रांड कॉलोनी की पहले से दी गई विकास मंजूरी निरस्त कर दी गई थी। वहीं मेहुल पिता नवीन मेहता की ल्यूमिनियस कॉरिडोर कॉलोनी को भी विकास मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया था। स्वास्तिक ग्रांड मामले में चौधरी ने संभागायुक्त न्यायालय से स्टे लिया, जबकि ल्यूमिनियस कॉरिडोर ने हाईकोर्ट का रुख किया। ल्यूमिनियस कॉरिडोर की ओर से जून 2026 में कॉलोनी की विकास मंजूरी के लिए आवेदन किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि आवेदन में शामिल कुछ सर्वे नंबर वर्ष 2006 से 2010 के बीच सीलिंग में दर्ज होकर सरकारी जमीन के रूप में दर्ज थे। कॉलोनाइजर और जमीन मालिकों का कहना था कि इन जमीनों को 8 दिसंबर 2010 के आदेश से सीलिंग से मुक्त कर निजी भूमि के रूप में दर्ज

किया जा चुका है। इसके समर्थन में एसडीओ के आदेश का भी हवाला दिया गया। हालांकि जिला प्रशासन की जांच में 8 दिसंबर 2010 का यह आदेश रिकॉर्ड में नहीं मिला। अधिकारियों को न तो संबंधित आदेश मिला और न ही रजिस्टर में उसकी एंट्री मिली। इसके बाद ल्यूमिनियस कॉरिडोर की विकास मंजूरी का आवेदन निरस्त कर दिया गया। इसी सर्वे नंबर के आधार पर पहले से स्वीकृत स्वास्तिक ग्रांड कॉलोनी

की विकास मंजूरी भी निरस्त कर दी गई। ल्यूमिनियस कॉरिडोर की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका में मध्यप्रदेश सरकार, अपर कलेक्टर कॉलोनी सेल और संयुक्त कलेक्टर कॉलोनी सेल को पक्षकार बनाया गया।

कॉलोनाइजर की ओर से तर्क दिया गया कि जमीन से जुड़ी सीलिंग कार्रवाई को बोर्ड ऑफ रेवेन्यू ने जून 2004 में ही रद्द कर दिया था। इसके बाद प्रशासन ने इस फैसले के खिलाफ कोई

अपील नहीं की। याचिकाकर्ता ने कहा कि जमीन वैध तरीके से खरीदी गई। इसके बाद नामांतरण, डायवर्सन और टीएंडसीपी से संबंधित मंजूरीयां भी ली गईं। इन प्रक्रियाओं के दौरान किसी अधिकारी ने जमीन को सरकारी या सीलिंग जमीन बताते हुए आपत्ति नहीं की। याचिका में कहा गया कि अब वर्ष 2010 के ऐसे आदेश का रिकॉर्ड नहीं मिलने के आधार पर विकास मंजूरी रोकना उचित नहीं है।

Confidential
Investigation &
All type of
Detective Services

+91-91110 50101



- ★ Spousal (or) Pre-Matrimonial check
- ★ Post-Marital Check
- ★ Individual Character (Personal Cases)
- ★ Missing Persons Investigation
- ★ Financial Services Industry
- ★ Background Investigation
- ★ Attorneys & Legal Services
- ★ Investigation (Audio / Video)
- ★ Bussiness Partners, Bussiness & Corporate
- ★ Real Estate Fraud Investigation
- ★ Corporate & Financial Investigation Services
- ★ Spousal (or) Matrimonial Affair During Divorce of Spouse
- ★ Human Resource Professionals Investigation / Shadowing
- ★ Individual Clients Missing / Kidnapped
- ★ Background Investigation
- ★ Criminal Record Check
- ★ Cyber Fraud Investigation
- ★ Forensic Investigation & Documents, Handwriting Check

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

जमानत खारिज होते ही कोर्ट से भागा आरोपी

② डिटिव ग्रुप रिपोर्ट, (नग्न) इंदौर। अविध हथियार के मामले में आरोपी बनाए गए सजी शिंदे को सोमवार को कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए। जमानत खारिज होने के बाद पुलिसकर्मी उसे जेल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी वह संतरी और अन्य पुलिसकर्मियों को चक्का देकर कोर्ट परिसर से फरार हो गया। सजी के खिलाफ संयोगितामज पुलिस ने आवेध हथियार के मामले में कैस दर्ज किया था। वह पहले से एक अन्य मामले में फरार चल रहा था। सोमवार को वह कोर्ट में आत्मसमर्पण करने पहुंचा था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान उसकी जमानत खारिज कर उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए। इसी दौरान मौका पाकर वह पुलिसकर्मियों को चक्का देकर भाग निकला। पुलिस ने कोर्ट परिसर में काफी देर तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। मामले में कोर्ट के रीडर आलोक मेहता की शिकायत पर एमजी रोड पुलिस ने सजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सजी और उसके भाई बाँबी दोनों के खिलाफ संयोगितामज थाने में पहले से अपराध दर्ज है।

मध्यप्रदेश में खुलेंगे इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के K-12 स्कूल!

जेम्स एजुकेशन ने दिखाई रुचि, भोपाल-इंदौर पर नजर

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा निवेश आने की संभावना है। दुबई में आयोजित AIM कांग्रेस-2026 के तीसरे दिन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जेम्स एजुकेशन के चेयरमैन-फाउंडर सनी वर्की से मुलाकात की। बातचीत के दौरान कंपनी ने मध्यप्रदेश के इंदौर और भोपाल में इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के K-12 स्कूल शुरू करने में रुचि दिखाई। सीएम यादव ने बैठक में मध्यप्रदेश की एजुकेशन पॉलिसी और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद प्रदेश में विद्यार्थियों की शिक्षा को लेकर नए प्रयोग किए जा रहे हैं। बैठक में सांदीपन स्कूलों को लेकर भी चर्चा हुई।

जेम्स एजुकेशन जिन स्कूलों को मध्यप्रदेश में शुरू करने पर विचार कर रही है, उनमें पारंपरिक



पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार करने पर जोर रहेगा। स्कूलों में स्किल ट्रेनिंग, STEM, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग और एंटरप्रेन्योरशिप जैसे क्षेत्रों में पयूचर-रेडी प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा टेक्नोलॉजी से लैस क्लासरूम विकसित किए जाएंगे। कंपनी स्थानीय जरूरतों और भविष्य में शिक्षा की बदलती मांग को ध्यान में रखते हुए नेशनल और इंटरनेशनल दोनों तरह के करिकुलम को लागू करने की योजना पर काम करेगी।

कंपनी की योजना सिर्फ स्कूल

खोलने तक सीमित नहीं है। शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए टीचर ट्रेनिंग और स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट पर भी काम किया जाएगा। इससे शिक्षकों को नई तकनीक और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ने के साथ स्कूलों की संस्थागत गुणवत्ता मजबूत करने पर भी फोकस रहेगा।

सनी वर्की ने मुख्यमंत्री को बताया कि जेम्स एजुकेशन दुनिया के बड़े निजी K-12 शिक्षा प्रदाताओं में शामिल है। कंपनी अलग-अलग देशों में अलग-अलग करिकुलम वाले स्कूलों का नेटवर्क संचालित करती है। कंपनी

की स्थापना वर्ष 2000 में हुई थी और इसका मुख्यालय दुबई में है। इसका नेटवर्क मिडिल ईस्ट, एशिया, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका तक फैला हुआ है। कंपनी का फोकस क्वालिटी एजुकेशन, टीचर डेवलपमेंट और एजुकेशनल इनोवेशन पर है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सनी वर्की को अगले साल होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS)-2027 में शामिल होने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की काफी संभावनाएं हैं। जेम्स एजुकेशन जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी का निवेश प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में नई संभावनाएं पैदा कर सकता है। अगर कंपनी की योजना आगे बढ़ती है तो भोपाल और इंदौर में शुरू होने वाले ये स्कूल प्रदेश के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा के साथ AI, कोडिंग, STEM और रोजगार से जुड़ी स्किलस सीखने का अवसर दे सकते हैं।

हनुमान खड़े-भक्त अड़े

9 दिन से प्रशासन की परीक्षा, बैरिकेडिंग के बीच मंगलवार शाम को महाभारती



डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। महाकाल की राजसी सवारी के अगले दिन मंगलवार को भी खड़े हनुमान मंदिर परिसर में पहले जैसी भारी भीड़ रही। यहां आए श्रद्धालुओं का कहना था कि कुछ भी हो जाए प्रतिमा यहां से नहीं हटाने देंगे। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। दर्शन के लिए पहुंचने वालों की संख्या इतनी बढ़ी कि कतार सड़क तक पहुंच गई।

शाम को बड़ी संख्या में भक्तों ने एकत्रित होकर महाभारती की। इसी बीच मंगलवार को विशेषज्ञों से एक बार फिर प्रतिमा की गहवाई की जांच कराई गई। निगम अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट एक-दो दिन में आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई विधिवत की जाएगी। प्रतिमा को परमार काल से जोड़कर देखे जाने और इसके एक हजार वर्ष से अधिक पुराना होने की चर्चाओं के बीच अब इसके सुरक्षित विस्थापन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

मंदिर परिसर और आसपास लगाए पोस्टरों में प्रशासन से प्रतिमा के साथ किसी तरह की

जल्दबाजी नहीं करने की अपील की गई है। पोस्टरों में विस्थापन से पहले तकनीकी परीक्षण और विशेषज्ञों से सुरक्षित प्रक्रिया की पुष्टि कराने की मांग की गई है। फिलहाल निगम की ओर से विशेषज्ञ जांच की रिपोर्ट का इंतजार है। इसके बाद ही प्रतिमा के संबंध में अगला कदम उठाया जाएगा। हनुमान मंदिर की प्रतिमा के विस्थापन की तैयारी राजसी सवारी से पहले की जा रही थी। 30 अगस्त को पहले प्रयास के दौरान विरोध और चक्काजाम की स्थिति बनी, जिसके बाद कार्रवाई रोक दी। 4 सितंबर को 16 घंटे चली कार्रवाई में मंदिर का शिखर और आसपास का निर्माण हटाया गया। प्रतिमा की गहवाई की जांच के दौरान रात 10 बजे काम रोक दिया। 5 सितंबर को निगम की टीम रात करीब 1 बजे फिर पहुंची, लेकिन विरोध के बाद कार्रवाई रोक दी गई थी।

मंदिर को परमार काल से जोड़कर देखा जा रहा है। उस दौर में भूरे बलुआ पत्थर के इस्तेमाल के प्रमाण मिलते हैं और प्रतिमा भी उसी काल की होने की संभावना बताई जा रही है। ऐसे में प्रतिमा के एक हजार वर्ष पुराना होने की संभावना है।

बोलेरो को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन साल की बच्ची समेत छह की मौत

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

गोंदिया, एजेंसी। बालाघाट मार्ग पर नागरा गांव के पास सोमवार-मंगलवार की रात एक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक 3 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। इस हादसे में 7 मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें गोंदिया के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मृतक और घायल बालाघाट के रहने वाले हैं। यह हादसा गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र के नागरा में रात करीब 11 बजे से 1 बजे के बीच हुआ। मजदूरों को

हैदराबाद ले जा रही बोलेरो गाड़ी पर सामने से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक पलट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद ट्रक को ब्रेन से हटाना पड़ा, तब जाकर बुलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकाला जा सका। बुलेरो में कुल 13 लोग सवार थे। मौके पर ही 5 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक बच्ची ने बाद में दम तोड़ दिया। बताया गया है कि किरनापुर क्षेत्र के सवारी, किन्ही, लोढामा, पिपलगांव और पल्हेरा गांव के ये लोग मजदूरी करने के लिए हैदराबाद जा रहे थे।

जहरीली शराब कांड में मौतों का सिलसिला जारी

28 की मौत का दावा, 5 वेंटिलेटर पर आंखों और किडनियों पर अटैक

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। बुंदेलखंड क्षेत्र के बंडा और आसपास के इलाकों में नकली और जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस दर्दनाक त्रासदी में अब तक 28 लोगों की जान जा चुकी है, हालांकि प्रशासनिक आंकड़ों में अभी 15 मौतों की ही आधिकारिक पुष्टि की गई है। इसके बावजूद अस्पताल पहुंचने वाले नए मरीजों और गंभीर मामलों ने स्वास्थ्य तंत्र की नींद उड़ा दी है।

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में वर्तमान में 90 मरीजों का इलाज चल रहा है। हालात से निपटने के लिए बीएमसी में कोविड के दौर जैसे कड़े प्रबंध किए गए हैं। अस्पताल के आईसीयू में भर्ती 9 गंभीर मरीजों में से 5 की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है, जिन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। कई मरीजों के खून से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने के लिए बार-बार डायलिसिस करना पड़ रहा है।



इसके अलावा कई गंभीर मरीजों की आंखों की रोशनी भी प्रभावित हुई है। हनोती गांव के 32 वर्षीय धनसिंह आदिवासी सहित अन्य पीड़ित आईसीयू में ज़िंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। बीती रात इलाज के दौरान छापरी निवासी 38 वर्षीय अरविंद विश्वकर्मा और धुरमार निवासी 32 वर्षीय रामस्वरूप अहिरवार की मौत हो गई। इसके अलावा रिझावर सानौथा निवासी 50 वर्षीय नर्मदा प्रसाद की भी मौत की सूचना है, हालांकि अस्पताल प्रबंधन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद इसकी आधिकारिक पुष्टि की बात कह रहा है। प्रशासनिक सख्ती के बीच आबकारी विभाग की 3 टीमों ने जिले के वेयरहाउस, डिस्ट्रिलरी

और सभी शराब दुकानों की गहन जांच की है। जांच के दौरान फैक्ट्री, वेयरहाउस और सरकारी दुकानों के 'सागर गोल्ड' ब्रांड को क्लीन चिट मिल गई है, लेकिन बम्बइया और डीसीआर ब्रांड की सप्लाई पर आगामी आदेश तक रोक जारी रहेगी।

बरेली और बरायठा शराब दुकानों के संचालकों सिद्धार्थ कुशवाहा और यशवंत ठाकुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनके लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बंडा और बिर्नौथा थानों में अब तक कुल 30 आरोपियों पर नामजद एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जिनमें से 14 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

★ NewsPaper ★ NewsPortal ★ NewsChannel

www.dgr.co.in

www.detectivegroupreport.com

DGR Detective Group Report

YouTube Detective Group Report

SUBSCRIBE

समाचार, विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें :- **9111156060**

dgrnewsnetwork@gmail.com

संपादकीय

हॉस्टल का मुद्दा और राजनीति का इम्तिहान

दिल्ली में छात्र संघ चुनाव से ठीक पहले सत्य निकेतन में इमारत ढहने की घटना का छात्र राजनीति पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। डीयू छात्र संघ चुनाव के लिए वोटिंग में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में इस बार का चुनाव हॉस्टल और सेफ पीजी के दो बड़े मुद्दों पर ही केंद्रित रहने वाला है। सत्य निकेतन की घटना सीधे छात्रों की सुरक्षित आवास सुविधा, हॉस्टल की कमी और पीजी की मौजूदा बदहाल व्यवस्था से जुड़ी है। इस हादसे में जान गंवाने वालों में छात्र भी शामिल हैं। इस हादसे से डीयू प्रशासन की कलाई तो खुल ही गई है, साथ ही राजनीतिक दलों पर भी छात्र सवाल उठा रहे हैं। स्टूडेंट्स पॉलिटिक्स में हर संगठन किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसकी विचारधारा से जुड़ा होता है, लेकिन इस बार चुनाव सत्य निकेतन की घटना से जुड़े मुद्दों पर लड़ा जाना है। छात्र संगठनों को भी यह पता है। डीयू में हॉस्टल और यू-स्पेशल बसें ऐसे मुद्दे रहे हैं, जो कई दशकों से हर चुनाव में छात्रों के बीच चर्चा में आते हैं। खास बात यह है कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भी इन मुद्दों को सभी दल अपने घोषणा पत्र में जगह देते हैं। BJP, कांग्रेस, AAP समेत हर पार्टी की छात्र इकाई है। अब सवाल यह है कि वर्षों से उठाए जा रहे इन बुनियादी मसलों का स्थायी समाधान अब तक क्यों नहीं हो पाया, कितने नए हॉस्टल बने, कितने छात्रों को वास्तव में आवास मिला, निजी पीजी और हॉस्टलों की सुरक्षा की निगरानी कौन कर रहा है? और, देश के दूसरे हिस्सों से आने वाले छात्रों को बड़ी संख्या में निजी पीजी या किराए के कमरों का सहारा क्यों लेना पड़ता है? छात्रों के आंदोलन बड़े-बड़े बदलाव कर देते हैं। डीयू की छात्र राजनीति को भी बदलना होगा। सिर्फ मुद्दे उठाने की बजाय उन्हें निर्णायक अंत तक पहुंचाना होगा। छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सत्य निकेतन की घटना को लेकर आवाज बुलंद करनी शुरू की है। हालांकि केंद्र से लेकर दिल्ली और एमसीडी में BJP की सरकार है, लेकिन ABVP खुलकर इस मुद्दे पर प्रशासन की लापरवाही की बात उठा रहा है। संगठन छात्रों तक यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि वह पूरी तरह उनके साथ है और इस मसले पर किसी भी तरह की पार्टी पॉलिटिक्स की गुंजाइश नहीं होगी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब डीयू की छात्र राजनीति सक्रिय है। कांग्रेस की स्टूडेंट विंग NSUI सहित दूसरे छात्र संगठनों ने भी सक्रियता बढ़ाई है। इससे चुनावी बहस 'कैपस के अंदर की राजनीति' से निकलकर 'कैपस के बाहर छात्रों की जिंदगी और सुरक्षा' तक जाना तय है। आने वाले समय में ABVP-NSUI के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी तेज होंगे। डीयू छात्र राजनीति से कई दिग्गजों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। BJP और कांग्रेस के कई बड़े नेता डीयू छात्र राजनीति से ही निकले हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन, विजय गोयल, अलका लांबा, रागिनी नायक समेत कई नेताओं की पहचान इसी से हुई। वहीं दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी डीयू छात्र राजनीति से नाम कमाया था। अब सवाल यह है कि डीयू छात्र राजनीति से नगर निगम, विधानसभा और संसद तक पहुंचने वाले नेताओं ने भी कभी हॉस्टल का मुद्दा उठाया था, तो आज तक यह समस्या हल क्यों नहीं हो पाई?

भारत ही नहीं दुनिया के लिए सिरदर्द बना यूकेलिप्टस

लैटिन अमेरिका से अफ्रीका तक खतरनाक असर, खुलासा

भारत में लंबे समय से पर्यावरण वैज्ञानिक यूकेलिप्टस के पेड़ उगाए जाने को लेकर चिंता जाहिर करते रहे हैं। अब दुनिया भर में यूकेलिप्टस लगाए जाने के पर्यावरणीय प्रभावों ने वैज्ञानिकों की चिंता और बढ़ा दी है। अफ्रीका से लेकर दक्षिण अमेरिका तक के देशों में कई दशकों तक यूकेलिप्टस के पेड़ों को बढ़ावा दिया, जिसके बाद यहां बड़े-बड़े बागान तैयार हो गए। लेकिन दशकों में इन बड़े बागानों ने देश के कई हिस्सों में नजारे बदल दिए हैं। इससे पेड़ों के मौजूद पानी को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। चार प्रमुख देशों में वैज्ञानिक शोधों में हैरान करने वाली जानकारी सामने आई है।



ब्राजील में बन रहा हरा रेगिस्तान

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील का यूकेलिप्टस उद्योग का एक मकसद था- तेजी से पेड़ उगाना, लुगदी के लिए उन्हें काटना और ग्लोबल पेपर इंडस्ट्री के लिए दोबारा इस्तेमाल हो सकने वाली सप्लाई बनाना। लेकिन वैज्ञानिकों ने पाया है कि इसने भूजल के स्तर को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। मिनास गैरेस के यूकेलिप्टस उगाने वाले एक इलाके में 45 सालों में भूजल का स्तर 4.5 मीटर गिर गया है। स्थानीय लोग इसे हरा रेगिस्तान कहने लगे हैं।

अर्जेंटीना में गिरता पानी का स्तर

अर्जेंटीना के विशाल पम्पास घास के मैदानों में कभी यूकेलिप्टस के पेड़ लगाए गए थे जो अब खतरनाक स्तर से भूजल को प्रभावित कर रहे हैं। मध्य अर्जेंटीना के फ्लडिंग पम्पास इलाके में 40

हेक्टेयर के बागान में वैज्ञानिकों ने स्टडी की। यह बागान 1951 में लगाया गया था। दो साल की स्टडी में पता चला कि घास के मैदानों की तुलना में यूकेलिप्टस वाले इलाके में भूजल 0.5 मीटर से ज्यादा नीचे था। इसने जमीन के नीचे एक ढाल बना दिया और घास के मैदानों से पानी बागान की ओर क्षैतिज रूप से बहने लगा। यानी यूकेलिप्टस के पेड़ सिर्फ अपने नीचे ही पानी का इस्तेमाल नहीं कर रहे, बल्कि आस-पास के इलाकों से भी भूजल खींच रहे हैं।

उरुग्वे में 20 साल तक स्टडी

दक्षिण अमेरिका की एक और देश उरुग्वे में भी इस वनस्पति के दुष्परिणाम दिखने लगे हैं। उरुग्वे में 20 साल तक चले अध्ययन में इस असर का साफ डेटा मिलता है। शोधकर्ताओं ने साल 2000 से दो आस-पास के वॉटरशेड पर नजर रखी। एक को चारागाह ही रहने दिया गया, जबकि दूसरे

यूकेलिप्टस और पाइन के बागान लगाए गए। पेड़ लगाने के 17 साल बाद घास के मैदान की तुलना में जंगल वाले वॉटरशेड में 35% पानी की कमी आई।

रवांडा में बन गया सबसे बड़ा बागान

पूर्वी अफ्रीकी देश रवांडा में विदेशी यूकेलिप्टस पर की गई स्टडी में इसे बड़ी मात्रा में पोषक तत्व सोखने वाला बताया गया है, जिससे मिट्टी दूसरे उपयोग के लिए कम उपजाई हो सकती है। शोधकर्ताओं ने मिट्टी की गुणवत्ता के साथ ही पानी के इस्तेमाल तक चिंता जाहिर की है। रवांडा में यूकेलिप्टस मुख्य बागान वाला पेड़ बन गया है। स्टडी के अनुसार, वन बागानों में यूकेलिप्टस की हिस्सेदारी 78% थी। 1970 के दशक की शुरुआत में इथियोपिया, रवांडा, युगांडा, केन्या और सूडान में यूकेलिप्टस के बागान 95684 हेक्टेयर में फैले हुए थे। इसमें उस समय रवांडा का हिस्सा लगभग 23000 हेक्टेयर था।

Uttarpradesh

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: श्रद्धालुओं से अच्छा व्यवहार, एक हजार कर्मियों को अनुशासन में रहकर सेवा देने की नसीहत

अयोध्या, (एजेंसी) श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जितेंद्र मिश्र ने मंगलवार को राम मंदिर की व्यवस्थाओं की कमान संभालते ही अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर मौजूदा कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

करीब एक हजार कर्मचारियों के साथ हुई बैठक में अनुशासन, श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार और सुगम दर्शन व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने कर्मचारियों से अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने को कहा। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे कैफियत ट्रेन से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पहुंचे जितेंद्र मिश्र सीधे रामघाट स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष



महेश भागचंदका और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मंदिर की मौजूदा व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली को समझने के साथ ही उन्होंने ट्रस्ट के एकाउंटिंग सिस्टम की भी जानकारी ली। बैठक में मंदिर की

व्यवस्थाओं में लगे कर्मचारियों की संख्या, उनके दायित्व और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी हासिल की गई। अधिकारियों के साथ मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आगे की कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चा हुई।

सीईओ ने व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए जिम्मेदारी के अनुरूप कार्य करने पर जोर दिया। इसके बाद जितेंद्र मिश्र ने राम मंदिर में सेवा दे रहे करीब एक हजार कर्मचारियों के साथ बैठक की।

इस बैठक का मुख्य फोकस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और सुगम दर्शन उपलब्ध कराने पर रहा। उन्होंने कर्मचारियों को अनुशासन के तहत काम करने और श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं बेहतर व्यवहार रखने के निर्देश दिए।

Maharashtra

पीएम मोदी के कार्यक्रम से पहले बड़ी चूक!

फर्जी PMO ID दिखा घुसे 2 लोग, एक के पास थी रिवाल्वर



मुंबई, (एजेंसी) मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से पहले सुरक्षा में सेंध की कोशिश का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने सोमवार देर रात जियो वर्ल्ड प्लाजा में कथित तौर पर सुरक्षा व्यवस्था तोड़ने और पहचान छिपाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, एक आरोपी ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का अधिकारी बताया, जबकि उसके साथ मौजूद एक पूर्व सैनिक ने खुद को स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG) का सदस्य बताया। उसके पास रिवाल्वर भी थी। इस मामले में एक तीसरा व्यक्ति अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के मुताबिक, खार निवासी 24 वर्षीय रोहन पारेख सोमवार शाम करीब 4:50 बजे जियो वर्ल्ड प्लाजा में दाखिल हुआ। उसने वहां मौजूद सुरक्षा कर्मचारियों से कहा कि वह प्रधानमंत्री कार्यालय में काम करता है। इसके बाद उसने अपने फोन पर PMO का एक पहचान पत्र दिखाया और उसे अंदर जाने दिया गया। पुलिस के अनुसार, पारेख दो अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचा था। इन्होंने से एक के पास बंदूक देखकर सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोक लिया। बंदूक लेकर चल रहे व्यक्ति ने खुद को SPG का सदस्य बताया था। पारेख कुछ ही मिनट बाद प्लाजा से बाहर निकल गया और तीनों वहां से चले गए।

Karnataka

कांग्रेस मंत्री पर सुबह-सुबह गिरी गाज

ED ने कई ठिकानों पर मार दी रेड, सांसद बेटी भी लपेटे में

बेंगलुरु, (एजेंसी) कर्नाटक में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार तड़के लोक निर्माण मंत्री सतीश जाकिरहोली और उनके करीबियों के कई ठिकानों पर एक साथ तबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक ED ने जाकिरहोली के साथ-साथ उनकी बेटी और सांसद प्रियंका जाकिरहोली और उनके साले मंजूनाथ के ठिकानों पर भी कार्रवाई की है। मामला बेलगावी में कई बार को अवैध रूप से लाइसेंस देने का है। जानकारी के मुताबिक इंडी की टीमों ने बुधवार सुबह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के जवानों की कड़ी सुरक्षा के बीच छापेमारी शुरू की। बेंगलुरु शहर के 5 मुख्य ठिकानों के अलावा बेलगावी और महाराष्ट्र में स्थित मंत्री और उनके साले मंजूनाथ के घर और दफ्तरों की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी परिसरों में मौजूद वित्तीय दस्तावेजों, बैंक खातों और संपत्ति के कागजातों की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

Uttarpradesh

करेंसी चेस्ट में नकली 17 करोड़ मैनेजर की गिरफ्तारी से खुलासे के करीब पहुंची जांच, NIA लेगी रिकार्ड

सहारनपुर, (एजेंसी) यूपी के सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक की करेंसी चेस्ट ने 17 करोड़ 29 लाख के नकली नोटों के मामले में मंगलवार रात मैनेजर की गिरफ्तारी से जांच अब खुलासे के करीब पहुंच चुकी है। करीब सात दिनों से मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अब स्थानीय पुलिस द्वारा की गई जांच का पूरा रिकार्ड भी अपने अध्ययन में शामिल करेगी। इसके लिए सहारनपुर पुलिस केस डायरी एनआईए को सौंपने की प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, अगले दो दिन में जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने की उम्मीद है। बैंक के ही करेंसी चेस्ट में इतनी बड़ी तादाद में



नकली नोटों का मामला सामने आने से खलबली मच गई थी। शुरुआती जांच स्थानीय पुलिस ने की थी। डीआईजी अभिषेक सिंह के आदेश पर एसएसपी अभिनंदन ने सात सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी के साथ क्राइम ब्रांच भी लगा दी गई थी।



खेल

हॉकी इंडिया का बड़ा फैसला

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी फिर से बदली, भगवा रंग का विवाद खत्म

नई दिल्ली, (एजेंसी) हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलकर भगवा करने के अपने विवादित फैसले को वापस ले लिया है। आगामी 2026 एशियन गेम्स के लिए हॉकी इंडिया ने भारतीय ओलंपिक संघ को सूचित किया है कि भारतीय हॉकी टीम का पहला और मुख्य रंग नीला ही रहेगा, जबकि भगवा रंग को सेकेंडरी विकल्प के रूप में रखा जाएगा।

हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर मनोहरन ने मंगलवार को स्पष्ट किया, 'भारतीय ओलंपिक संघ ने हमसे क्रिकेट के लिए हमारी पसंदीदा पसंद मांगी थी। हॉकी इंडिया ने पहली प्राथमिकता नीले रंग को ही दी है, जबकि सेकेंडरी रंग के रूप में भगवा को चुना है।' दरअसल, अगस्त 2026 में एफआईएच हॉकी विश्व कप से



ठीक पहले हॉकी इंडिया ने नीली जर्सी को हटाकर भगवा जर्सी अपनाने का ऐलान किया था, जिसके बाद देशभर में भारी विवाद खड़ा हो गया था।

हॉकी इंडिया ने शुरुआत में दावा किया था कि नीली टर्फ पर नीली जर्सी पहनने से खिलाड़ियों और कोचों को विजिलिबिलिटी की समस्या आ

रही थी, जिसके चलते खिलाड़ियों ने पीला या नारंगी रंग चुनने की सलाह दी थी। हालांकि, इस फैसले का चौतरफा विरोध शुरू हो गया, परगट सिंह, धनराज पिल्ले और वीरेन रासकिन्हा जैसे पूर्व दिग्गज कप्तानों ने भारतीय हॉकी की ऐतिहासिक पहचान से छेड़छाड़ पर सवाल उठाए

थे। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय हॉकी के बड़े संरक्षक माने जाने वाले नवीन पटनायक ने इसे राजनीति से प्रेरित फैसला बताते हुए कड़ी निंदा की थी।

विवाद बढ़ने के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की के आंतरिक ईमेल लीक हुए, जिसमें उन्होंने खुलासा किया कि जर्सी बदलने का फैसला उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी और परामर्श के बिना लिया गया था। तर्क का खोखलापन तब और उजागर हुआ जब विश्व कप के दौरान इंग्लैंड और नीदरलैंड जैसी टीमों ने नीले टर्फ पर हल्की नीली क्रिकेट पहनकर ही भारत से बेहतर प्रदर्शन किया। विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ पांचवां स्थान हासिल किया।



सिनेमा



संजय दत्त का पुराना वीडियो, धाराप्रवाह बोल रहे मराठी, मंत्री जी से कहा था- 6 साल जेल में रहा, तब भी नहीं सीखी



बीते रविवार को मुंबई में दही हंडी इवेंट के दौरान संजय दत्त ने मराठी बोलने से इनकार कर दिया था। 67 साल के एक्टर ने यहां तक कहा था कि वह '6 साल येरवडा जेल रहे, तब भी मराठी नहीं सीख पाए।' उनके इस बयान ने भाषा विवाद को नया मोड़ दे दिया था, क्योंकि राज्य में परिवहन विभाग ने ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा अनिवार्य कर दिया है। मजदूर बात यह भी थी कि संजय दत्त ने जिस इवेंट में मंच से मराठी बोलने को इनकार किया था, वह परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का था। अब इस कहानी में एक और ट्विस्ट आया है। संजय दत्त का एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह धाराप्रवाह मराठी बोलते हुए नजर आए हैं। जाहिर है, सोशल मीडिया पर अब इसको लेकर नई बहस छिड़ गई है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को विवाद मचा हुआ है। ऐसे में ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के कहने पर भी संजय दत्त का मराठी नहीं बोलना, कई लोगों के गले नहीं उतरता। यह बात भी नहीं पची कि उन्हें मराठी नहीं आती, क्योंकि उनका जन्म और पारिवारिक सब मुंबई में ही हुआ है। अब सामने आए इस वीडियो में संजय दत्त पपराजी के साथ मराठी में ही बातचीत करते दिख रहे हैं।

Highlights

1. PG operator arrested after 7 die in Delhi building collapse
2. 'My vote share was more in criminal areas than educated areas,' says Gadkari; tells why
3. EC denies AAP's 'backdoor entry' claim over Raghav's Delhi voter roll addition
4. Indian engineer released after detention in Russia, wife thanks BJP MP Seema Dwivedi

Sensex, Nifty open lower as Middle East war pushes Brent crude toward \$100

NEW DELHI, (Agency).

Indian equity markets opened lower on Wednesday as escalating tensions in the Middle East pushed crude oil prices closer to \$100 a barrel and weighed on investor sentiment.

The BSE Sensex fell 474.44 points, or 0.63%, to 75,103.14, while the Nifty 50 dropped 140.60 points, or 0.59%, to 23,494.50 in early trade.

The decline comes after both indices lost 2.2% over the past seven sessions, falling in six of them. They closed Tuesday at their lowest levels since June 12.

Brent crude futures jumped 1.5% to \$99.5 a barrel after the Middle East conflict intensified. Iranian-backed Houthis in Yemen launched strikes on several Saudi cities, while US



forces hit multiple Iranian oil tankers and Iran struck a US base in Jordan.

Higher crude prices are a concern for India, which imports most of its energy needs. Sustained high oil prices could widen the trade deficit, fuel inflation and weigh on economic growth.

Investors are also awaiting US inflation data later this week for clues on the Federal Reserve's interest-rate decision next week. Higher US interest rates could weigh

on emerging-market equities by slowing foreign fund flows and making the dollar and US Treasuries more attractive.

Foreign investors were net sellers of Indian shares worth ₹1.23 billion on Tuesday and have offloaded \$1.33 billion worth of shares so far in September, according to provisional data.

The stock is in focus amid media reports that Active Pine is likely to sell a stake through a block deal worth ₹6.38 billion.

Confidential Investigation & all type of Detective services



आँख मूंदकर न तय करें रिश्ता...

सतर्कता एवं सजगता अत्यावश्यक है।

सभी प्रकार की व्यक्तिगत, पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक, व्यापारिक, कानूनी, सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य...
सबूत/प्रमाण हेतु... मदद के लिये तैयार... कभी भी.... कहीं भी...



पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in



9111050101



9111050101



7312433667

सेज यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल के खाने में निकले कीड़े

4 घंटे तक छात्राओं का प्रदर्शन, चिकित्सा सुविधा का मुद्दा भी सामने आया

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सेज यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में परोसे जा रहे भोजन में कीड़े निकलने की शिकायत को लेकर मंगलवार को छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा।

छात्राओं का आरोप है कि मैस के खाने में पहले भी कीड़े निकल चुके हैं और भोजन करने के बाद कई छात्राओं की तबीयत खराब हुई। समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज छात्राएं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथ आंदोलन में शामिल हुईं। भोजन में कीड़े मिलने के कुछ वीडियो और फोटो भी सामने आए हैं। छात्राओं की मांग है कि वर्तमान मैस व्यवस्था को तत्काल बदला जाए और उन्हें स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित विद्यार्थी कॉलेज की बस पर चढ़े। छात्राओं

ने बताया कि हॉस्टल की मैस में भोजन की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही थीं। खाने में कीड़े निकलने की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। छात्राओं के लिए भोजन रोजमर्रा की मूलभूत जरूरत है। यदि उसी भोजन की गुणवत्ता खराब है और उसमें कीड़े निकल रहे हैं, तो स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता होना स्वाभाविक है। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने हॉस्टल में चिकित्सा सुविधा का मुद्दा भी सामने आया।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के लिए बनाया गया मेडिकल रूम लंबे समय से बंद है और उस पर ताला लगा हुआ है। छात्राओं ने सवाल उठाया कि हॉस्टल में किसी छात्रा की तबीयत अचानक बिगड़ जाए या कोई मेडिकल इमरजेंसी हो तो तत्काल इलाज की सुविधा कहाँ मिलेगी।

एबीवीपी ने मांग की कि मेडिकल रूम को तुरंत शुरू किया जाए और वहाँ नियमित रूप से डॉक्टर उपलब्ध कराया जाए। छात्राओं और विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन करीब चार घंटे तक चला। लंबे समय तक चले प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मौके पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं और विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधियों से चर्चा की। प्रशासन के आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री देवेश गुर्जर ने कहा कि छात्राओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय या उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लंबे समय से शिकायत के बाद भी प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। छात्राओं को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है।

ठगी करने वाले 13 साइबर ठग गिरफ्तार



डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शेर बाजार में रातों-रात दोगुना-तिगुना मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों की गाढ़ी कमाई ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का इंदौर में पर्दाफाश हुआ है। उत्तर प्रदेश की ललितपुर साइबर क्राइम टीम ने विजय नगर थाना क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई करते हुए 13 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग ऐप के जरिए देशभर के निवेशकों को ठगने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक गिरोह के सदस्य खुद को नापी ब्रोकरेज फर्म का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर मोबाइल कॉल और मैसेज के जरिए लोगों से संपर्क करते थे। निवेश के लिए तैयार होने के बाद

उन्हें Nokia Securities नाम का फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करवाया जाता था। ऐप में ऐसे जमा करने के बाद पीड़ित को स्क्रीन पर लगातार बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाई देता था। हालांकि यह पूरा मुनाफा फर्जी होता था। जब निवेशक रकम निकालने की कोशिश करता तो आरोपी संपर्क तोड़ देते थे। ललितपुर साइबर थाने में 70 हजार रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपियों की लोकेशन इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में मिली। इसके बाद ललितपुर पुलिस ने इंदौर पुलिस से संपर्क किया और संयुक्त कार्रवाई करते हुए 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सस्ते प्लाट के चक्कर में लाखों का धोखा, विज्ञापन से किया था संपर्क



डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में प्लॉट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने महेंद्र सिंह और संतोष राजपूत पर आरोप लगाया है कि उन्होंने प्लॉट दिलाने के नाम पर उसकी कुल 8.25 लाख रुपये की दो डीडी अपने पास रख लीं। शिकायतकर्ता को आशंका है कि आरोपी डीडी के जरिए रकम क्लियर कराकर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, एई स्कीम नंबर 74C, विजय नगर निवासी विवेक काकरेचा ने शिकायत में बताया कि प्लॉट दिलाने के नाम पर महेंद्र सिंह और संतोष राजपूत ने उसके साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी की। शिकायतकर्ता के मुताबिक, आरोपियों ने 5.25 लाख रुपये और 3 लाख रुपये की दो डीडी, यानी कुल 8.25 लाख रुपये की डीडी अपने पास रख लीं। पुलिस के मुताबिक, विवेक

काकरेचा ने बताया कि उन्हें प्लॉट खरीदना था, इसलिए वह ऑनलाइन सर्च कर रहे थे। इस दौरान उनका संपर्क EDELWEISS फाइनेंस कंपनी से हुआ। कंपनी का ऑफिस शुगन टॉवर में बताया गया था। 18 अगस्त को वह वहाँ पहुंचे, जहाँ उनकी मुलाकात महेंद्र सिंह और संतोष राजपूत से हुई। वहीं तीसरे व्यक्ति आदित्य कुमार ने खुद को कंपनी का रीजनल अधिकारी बताया और प्लॉट के संबंध में जानकारी दी। आरोप है कि उन्होंने लुनावत कॉसमॉस कंपनी, महु में प्लॉट नंबर 227-B और AB-205 सस्ते में दिलाने की बात कही। विश्वास में लेने के लिए दोनों प्लॉट के अलॉटमेंट लेटर भी दिए गए। इनमें एक प्लॉट की कीमत 17.25 लाख रुपये और दूसरे की 9.98 लाख रुपये बताई गई। इसके बाद विवेक ने दोनों आरोपियों को दो डीडी बनाकर दे दीं।

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!

ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए

"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...

गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें ।

समाज में जागरूकता फैलाये ।

FOLLOW US

DETECTIVE
GROUP

Detecting the truth.

091110 50101 | www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com